120 रुपये/किलो टमाटर : कीमतों पर लगाम लगाने के लिए केंद्र ने बनाई रणनीति; तमिलनाडु में लोगों को मिली कुछ राहत

नई दिल्ली ।

टमाटर की आसमान छूती कीमतों को लेकर सरकार भी हरकत में आ गई है। उपभोक्ता मामलों के सचिव रोहित कुमार सिंह ने कहा है कि यह कीमतें अस्थाई हैं और मौसमी हैं। जल्द ही कीमतें नीचे आ जाएंगी। कुछ इलाकों में बारिश से परिवहन पर असर पड़ा है। इसलिए कीमतों में तेजी है। इस बीच टमाटर की कीमतों में अचानक उतार-चढ़ाव से निपटने के लिए उपभोक्ता मामलों का मंत्रालय टमाटर ग्रैंड चैलेंज शुरू करेगा। इसमें टमाटर के उत्पादन, प्रसंस्करण व भंडारण में सुधार के लिए नए विचार आमंत्रित किएजाएंगे। उपभोक्ता मामलों के सचिव ने बताया कि चैलेंज अब से शुरू होगा।नए विचारों से प्रोटोटाइप बनाएंगे और फिर इसे आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने बताया कि हर साल इस समय ऐसा होता है। दरअसल, टमाटर बहुत जल्द खराब होने वाला खाद्य उत्पाद है और अचानक बारिश होने से इसकी ढुलाई पर असर पड़ता है। उपभोक्ता मामलों के विभाग के पास उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, 27 जून को अखिल भारतीय स्तर पर टमाटर की औसत कीमत 46 रुपये प्रति किलो रही। हालांकि, इसकी अधिकतम कीमत 122 रुपये प्रति किलो भी दर्ज की गई है। टमाटर के साथ कुछ सब्जियों के दाम भी तेजी से बढ़े हैं। इस बीच तमिलनाडु में सरकार ने टमाटर के बढ़ते दामों पर लगाम लगाना शुरू भी कर दिया है। यहां फार्म फ्रेश आउटलेट्स (एफएफओ) पर टमाटर बेचे जाएंगे। एफएफओ में टमाटर 68 रुपये प्रति किलो बिकेगा। एफएफओ में 60 रुपये प्रति किलोग्राम पर टमाटर बेचने के लिए भी कदम उठाए जा रहे हैं। तमिलनाडु सहकारिता, खाद्य और उपभोक्ता संरक्षण विभाग के मंत्री पेरियाकरुप्पन ने बताया कि गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों को राहत देने के लिए, टमाटर की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए सरकार ने यह कदम उठाया है। दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में दूध और फल-सब्जियों की बिक्री करने वाली मदर डेयरी के स्टोर पर भी टमाटर का भाव एक हफ्ते में ही दोगुना होकर करीब 80 रुपये प्रति किलो तक पहुंच चुका है। प्रमुख उत्पादक क्षेत्रों में बारिश होने से टमाटर की आपूर्ति बाधित होने से इसके दाम में उछाल आया है। मदर डेयरी के प्रवक्ता ने बताया कि मानसून आने से टमाटर की फसल इस समय मौसमी बदलावों से गुजर रही है।

न्यूज ब्रीफ

अगले पांच वर्षों में देश में 147 नए यूनिकॉर्न स्टार्टअप्स बनेंगे

नई दिल्ली । हुरुन रिसर्च के अनुसार बढ़ती ब्याज दरों और वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण निवेशकों का

उत्साह कम होने के बावजूद भारत में 147 स्टार्टअप ऐसे हैं जो अगले पांच वर्षों में यूनिकॉर्न बन सकते हैं। 27 जून को जारी किए गए एएसके प्राइवेट वेल्थ हुरुन इंडिया फ्यूचर यूनिकॉर्न इंडेक्स 2023 के अनुसार वर्तमान में भारत में 83 यूनिकॉर्न, 51 गजेल और 96 चीता स्टार्टअप हैं। हालांकि, यह पिछले साल की तुलना में इसमें मामूली गिरावट आई है, पिछले साल देश में 84 यूनिकॉर्न, 51 गजेल और 71 चीता स्टार्टअप थे। एक बिलियन डॉलर से अधिक के मूल्यांकन वाले स्टार्टअप्स कहलाते हैं यूनिकॉर्न हुरुन रिसर्च इंस्टीट्यूट ने साल 2000 के बाद स्थापित 1 बिलियन डॉलर से अधिक के मूल्यांकन वाले स्टार्टअप्स को यूनिकॉर्न के रूप में परिभाषित किया है। वहीं गजेल्स को ऐसे स्टार्टअप के रूप में परिभाषित किया गया है जिनके अगले तीन वर्षों में यूनिकॉर्न बनने की सबसे अधिक संभावना है। ऐसे स्टार्टअप्स को चीता कहा कहा गया है जो अगले पांच वर्षों में यूनिकॉर्न बन सकते हैं। यह मूल्यांकन नियामक फाइलिंग, उद्यमियों और कुछ भारत-केंद्रित उद्यम पूंजी फंडों और एंजेल निवेशकों से मिली प्रतिक्रिया के आधार पर किया गया है। हुरुन रिसर्च के अनुसार देश के 25 शहरों से आने वाले पांच वर्षों में 147 स्टार्टअप्स यूनिकॉर्न बन सकते है। ये ऐसे स्टार्टअप्स हैं जिनकी स्थापना औसतन 2015 में स्थापित किए गए थे। इनमें से ज्यादा स्टार्टअप्स सॉफ्टवेयर और सेवा क्षेत्र से जुड़े हैं। इन स्टार्टअप्स में से केवल 20 प्रतिशत भौतिक उत्पादों की बिक्री करते हैं; 37 प्रतिशत बी2बी कारोबार से जुड़े हैं यानी ये व्यावसायों को अपनी सेवाएं या उत्पाद बेचते हैं। इन स्टार्टअप्स में 63 प्रतिशत सीधे उपभोक्ताओं को अपनी सेवाएं दे रहे हैं। ऐसे स्टार्टअप्स जो आने वाले पांच वर्षों में फ्यूचर यूनिकॉर्न बन सकते हैं वे वित्तीय सेवाओं, स्वास्थ्य देखभाल, व्यवसाय प्रबंधन समाधान और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में अपना दखल रखते हैं।

पीएमएलए कोर्ट में पेश हुए सुपरटेक के चेयरमैन आरके आरोड़ा, 10 जुलाई तक ईडी की कस्टडी में भेजे गए

नई दिल्ली । रियल स्टेट कंपनी सुपरटेक के चेयरमैन आरके अरोड़ा को दिल्ली के पटियाला

हाउस परिसर में पीएमएलए अदालत के समक्ष पेश किया गया है। उन्हें 10 जुलाई तक ईडी की कस्टडी में भेजा गया है। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को उन्हें गिरफ्तार किया था। इस मामले में उनसे पिछले तीन दिन से पूछताछ की जा रही है। सुपरटेक के खिलाफ दिल्ली, हरियाणा व उत्तर प्रदेश में कई एफआईआर दर्ज हैं और इसी के आधार पर ईडी ने सुपरटेक समूह, उसके निदेशकों व प्रमोटरों के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया था। इसी साल अप्रैल में ईडी ने सुपरटेक और उसके निदेशकों की 40 करोड़ से अधिक की संपत्तियां जब्त की थीं। एफआईआर में आरके अरोड़ा और सुपरटेक के खिलाफ फ्लैट बुक कराने के बाद अग्रिम राशि लेकर धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया गया है। ईडी के अनुसार इन्होंने फ्लैट खरीदारों की राशि के आधार पर बैंक से लोन लिए और बाद में राशि गबन कर गए।

अलीबाबा के संस्थापक जैक मा चुपचाप काठमांडु पहुंचे, प्रधानमंत्री प्रचंड से मिलने का है कार्यक्रम

नई दिल्ली । चीन की दिग्गज ऑनलाइन रिटेलर कंपनी अलीबाबा के संस्थापक जैक मा नेपाल की राजधानी

काठमांडु पहुंचे हैं। नेपाली अधिकारियों की ओर से बताया गया है कि चीन के अरबपति कारोबारी जैक मा मंगलवार दोपहर नेपाल की राजधानी काठमांडू पहुंचे। वे यहां प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड से मिलने वाले हैं। जानकारी के अनुसार अलीबाबा के संस्थापक सात सदस्यीय टीम के साथ नेपाल पहुंचे हैं और काठमांडू के एक होटल में ठहरे हुए हैं। नेपाल के आव्रजन विभाग के प्रमुख झलकराम अधिकारी ने जानकारी दी है कि कि, जैक मा अपने निजी विमान से मंगलवार को काठमांडू पहुंचे। अधिकारी ने कहा कि जैक मा ने चीन से नेपाल के लिए उड़ान भरी थी। नेपाल के आव्रजन विभाग के महानिदेशक अधिकारी ने कहा कि जैक मा को 15 दिन का पर्यटक वीजा दिया गया है। बताया जा रहा है कि उनका नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल से मिलने का कार्यक्रम है। चीनी उद्यमी के काठमांडू आगमन के बारे में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है और उन्होंने देश में अपने प्रवास के दौरान किसी भी सुरक्षा की मांग नहीं की है। उनकी नेपाल यात्रा के कारणों को भी सार्वजनिक नहीं किया गया है।

जुकरबर्ग से केज फाइट के लिए मस्क की ट्रेनिंग शुरू

साथी फाइटर ने फोटो शेयर की, कहा- मस्क की पावर और स्किल से प्रभावित हूं

वॉशिंगटन।

टेस्ला के सीईओ एलन मस्क और मेटा के सीईओ के बीच होने जा रही केज फाइट चर्चा में है। मस्क ने इस फाइट के लिए ट्रेनिंग शुरू कर दी है। ट्रेनिंग की फोटोज सामने आई हैं। इनमें वो पॉपुलर पॉडकास्टर और AI रिसर्चर लेक्स फ्रिडमैन के साथ लड़ रहे हैं। फ्रिडमैन ने ही तस्वीरें ट्विटर पर शेयर कीं और लिखा- मस्क की पावर से प्रभावित हूं। मस्क ने पिछले दिनों ट्विटर पर जुकरबर्ग को फाइट का चैलेंज दिया था। जुकरबर्ग ने इसे स्वीकार कर लिया था। फ्रिडमैन दोनों के साथ ट्रेनिंग कर चुके हैं और उन्होंने इसके फोटो और वीडियो अपने ट्विटर हैंडल पर ये शेयर किए हैं। जुकरबर्ग की कंपनी मेटा ने ट्विटर जैसा प्लेटफॉर्म लॉन्च करने की बात कही थी।

एक रिपोर्ट पब्लिश की, जिसकी हेडलाइन थी- ट्विटर को खत्म करने का जुकरबर्ग का मास्टर प्लान सामने आया। इस रिपोर्ट को ट्विटर पर शेयर किया जाने लगा। ऐसी ही एक पोस्ट पर एलन मस्क ने जुकरबर्ग को चिढ़ाने वाली इमोजी पोस्ट की। मारियो नाफवाल नाम के ट्विटर हैंडल से जुकरबर्ग के नए प्लेटफॉर्म से जुड़ी और डीटेल्स शेयर की गई। नाफवाल को एलन मस्क फॉलो भी करते हैं। इसमें कहा गया कि मेटा के नए ऐप का नाम थ्रेड हो सकता है। इस पर एक ट्विटर यूजर ने लिखा- बेहतर होगा मस्क सावधान रहें मैंने सुना है कि जुकरबर्ग अब जु-जित्सु कर रहे हैं। यहीं से केज फाइट चैलेंज की शुरुआत हुई। मस्क ने पोस्ट पर जवाब दिया- मैं केज फाइट के लिए तैयार हूं। इसके बाद जुकरबर्ग ने मस्क से फाइट की लोकेशन पूछी और मस्क ने जवाब दिया- वेगास ऑक्टागन मस्क और जुकरबर्ग वेगास ऑक्टागन में लड़ेंगे या नहीं, ये अभी साफ नहीं है। मस्क की पोस्ट पर कमेंट बॉक्स मीम्स से भर गया है। एक यूजर ने मस्क की तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह हल्क की तरह दिख रहे हैं। 2 वर्षीय मस्क साउथ अफ्रीका में बड़े हुए हैं। मस्क ने बताया था कि साउथ अफ्रीका में उन्होंने रियल हार्ड-कोर स्ट्रीट फाइट्स में हिस्सा लिया। 39 साल के जुकरबर्ग एक एस्पिरेशनल स्ट्रूफाइटर हैं, जिन्होंने पहले ही जु-जित्सु टूर्नामेंट जीते हैं। उन्होंने हाल ही में मर्फ चैलेंज वर्कआउट को 40 मिनट से कम समय में पूरा किया था। मस्क की ट्रेनिंग की तस्वीरें शेयर करने वाले फ्रिडमैन ने लिखा- मैंने कुछ घंटों के लिए एलन मस्क के साथ ट्रेनिंग सेशन किया। मैं उनकी स्ट्रेंथ, पावर और स्किल से बेहद प्रभावित हूं। एलन और मार्क को मार्शल आर्ट करते हुए देखना वास्तव में प्रेरणादायक है। अगर दोनों मार्शल आर्ट की ट्रेनिंग करें तो ये दुनिया के लिए बेहतर होगा। पर ये ट्रेनिंग फाइट के लिए ना हो फ्रिडमैन ने जुकरबर्ग के साथ जु-जित्सू की ट्रेनिंग की थी, लिखा था- ये मेरे और मार्क जुकरबर्ग जु-जित्सु की ट्रेनिंग का वीडियो है। मैं एलन मस्क के साथ भी ट्रेनिंग के लिए उत्सुक हूं। जु-जित्सु अनआर्म्ड कॉम्बैट और फिजिकल ट्रेनिंग की जापानी तकनीक है। केज फाइट में दो फाइटर एक पिंजरे के भीतर लड़ते हैं। फाइटर कई फाइटिंग टेक्नीक्स का इस्तेमाल करते हैं। इसमें मार्शल आर्ट के मिक्स्ड टाइप जैसे बॉक्सिंग, कुश्ती, जूडो, जु जित्सु, कराटे, मय थाई जैसी तकनीकों का इस्तेमाल होता है।

अदाणी पावर के इस प्लांट ने शुरू किया उत्पादन; बांग्लादेश को बेची जाएगी 1496 मेगावाट बिजली

नई दिल्ली ।

गौतम अदाणी के नेतृत्व वाली अदाणी पावर से जुड़ी एक अच्छी खबर सामने आई है। अदाणी पावर ने झारखंड के गोड्डा में स्थित अपने 1600 मेगावाट के प्लांट से बांग्लादेश को बिजली निर्यात करना शुरू कर दिया है। इसे लेकर मंगलवार को अदाणी पावर ने एक बयान भी जारी किया। इसमें कंपनी ने कहा कि अदाणी पावर लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी अदाणी पावर झारखंड लिमिटेड (एपीजेएल) ने अपनी 2×800 मेगावाट की गोड्डा अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट की दूसरी इकाई ने कमर्शियल ऑपरेशंस शुरू कर दिए हैं। बयान के मुताबिक, गोड्डा बिजली संयंत्र की दूसरी इकाई के कमर्शियल ऑपरेशंस परीक्षण और विश्वसनीयता परीक्षण 25 जून को पूरा हो गया था। इस मौके पर बांग्लादेश पावर डेवलपमेंट बोर्ड (बीपीडीबी) और पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ बांग्लादेश (पीजीसीबी) के अधिकारी भी मौजूद रहे थे। बता दें कि छह अप्रैल को, क्षमता वाले बिजली संयंत्र की पहली यूनिट ने अपनी कमर्शियल ऑपरेशंस डेट(सीओडी) हासिल कर ली थी। बयान में कहा गया है कि गोड्डा संयंत्र से बांग्लादेश को बिजली आपूर्ति से पड़ोसी देश में ऊर्जा सुरक्षा और बढ़ेगी। वहीं, एपीजेएल बांग्लादेश ग्रिड से जुड़े 400 केवी समर्पित ट्रांसमिशन सिस्टम के माध्यम से 25 साल की अवधि के लिए नवंबर 2017 में निष्पादित बीपीडीबी के साथ पीपीए के तहत 2×800 मेगावाट गोड्डा यूएससीटीपीपी से 1,496 मेगावाट की शुद्ध क्षमता बिजली की आपूर्ति करेगा। इसमें कहा गया है कि गोड्डा बिजली संयंत्र से आपूर्ति की जाने वाली बिजली तरल ईंधन से उत्पन्न महंगी बिजली की जगह बांग्लादेश की बिजली स्थिति पर सकारात्मक प्रभाव डालेगी। इसके जरिए बांग्लादेश को खरीदी गई बिजली की औसत लागत कम करने में मदद मिलेगी। बयान में कहा गया है कि गोड्डा यूएससीटीपीपी का चालू होना अदाणी समूह, बीपीडीबी के साथ-साथ दोनों देशों के बीच आर्थिक सह-संबंधों के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। अदानी पावर लिमिटेड के सीईओ एसबी ख्यालिया ने भी इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि गोड्डा पावर प्लांट भारत और बांग्लादेश दोस्ती के प्रतीक के रूप में काम करेगा।

सरकार ने ग्रीन क्रेडिट प्रोग्राम का मसौदा किया तैयार, पर्यावरण मंत्रालय ने बताया ये है लक्ष्य

नई दिल्ली ।

सरकार ने विभिन्न हितधारकों के स्वैच्छिक पर्यावरणीय कार्यों को प्रोत्साहित करने के लिए ग्रीन क्रेडिट कार्यक्रम कार्यान्वयन नियम 2023 का मसौदा तैयार किया है। पर्यावरण मंत्रालय की ओर से जारी एक अधिसूचना के अनुसार, ग्रीन क्रेडिट कार्यक्रम निजी क्षेत्र के उद्योगों और कंपनियों के साथ-साथ अन्य संस्थाओं को अपने मौजूदा दायित्वों को पूरा करने के लिए प्रोत्साहित करता है। ग्रीन क्रेडिट कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य व्यक्तियों, किसान उत्पादक संगठनों, सहकारी समितियों, वानिकी उद्यमों, सतत कृषि उद्यमों, शहरी और ग्रामीण स्थानीय निकायों, निजी क्षेत्रों, उद्योगों और संगठनों के लिए पर्यावरण से जुड़े सकारात्मक कार्य करने और ग्रीन क्रेडिट के लिए प्रोत्साहित करने के लिए एक बाजार आधारित तंत्र बनाना है। इस कार्यक्रम में पर्यावरण से जुड़े सकारात्मक कार्यों के लिए एक जन आंदोलन बनाने और मिशन लाइफ के दृष्टिकोण को साकार करने की भी परिकल्पना की गई है।

चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा ग्रीन क्रेडिट प्रोग्राम

पर्यावरण मंत्रालय की ओर से कहा गया है, कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए एक चरणबद्ध और पुनरावृत्ति दृष्टिकोण अपनाया जाएगा। शुरुआती (चरण) में सेक्टरों से दो से तीन गतिविधियां जैसे कार्यक्रम को डिजाइन और पायलट करने पर विचार किया जाएगा और फिर बाद के चरणों में चयनित क्षेत्रों से और अधिक गतिविधियों को जोड़ा जाएगा। अधिसूचना में कहा गया है कि ग्रीन क्रेडिट कई क्षेत्रों और संस्थाओं से उत्पन्न होंगे, जिनमें आम लोगों, किसान उत्पादक संगठनों, सहकारी समितियों, वानिकी उद्यमों और टिकाऊ कृषि उद्यमों से लेकर शहरी और ग्रामीण स्थानीय निकायों, निजी क्षेत्रों, उद्योगों और संगठनों को जोड़ा जा रहा है।

विदेश मंत्री बोले- ताइवान के निवेशक भारत में इनवेस्ट करने के लिए बेताब, हमारे संबंध पकड़ रहे गति

ताइपे ।

चीन के साथ ताइवान का विवाद किसी से छिपा नहीं है। कई मुद्दों पर भारत ने ताइवान का समर्थन भी किया है। ताइवान के विदेश मंत्री जौशीह जोसेफ वू ने भारत के साथ संबंधों को और मजबूत करने की बात कही है। उन्होंने कहा कि मुक्त व्यापार समझौते से ताइवानी कंपनियों को भारत में विनिर्माण के आधार पर स्थापित करने के लिए बड़ा प्रोत्साहन मिलेगा। विदेश मंत्री जोसेफ वू ने कहा कि ताइवान अपनी उन कंपनियों को प्रोत्साहित कर रहा है जिनको चीन का बाजार लाभदायक नहीं लगता है। ताइवान ने उनसे कहा है कि उन्हें उत्पादन सुविधाओं के लिए अपना कारोबार भारत में स्थानांतरित करना चाहिए। वू ने कहा कि भारत तेजी से उभरती हुई शक्ति है और तेजी से आर्थिक विकास की तरफ बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि भारत और ताइवान के बीच मुक्त व्यापार समझौता व्यापक व्यापार और निवेश संबंधों की बाधाओं को दूर करेगा और इससे ताइवान की कंपनियों को विभिन्न उपकरणों और कच्चे माल के लिए ज्यादा शुल्क का भुगतान किए बिना विनिर्माण केंद्र स्थापित करने में मदद मिलेगी।

भारत के लिए क्यों लाभदायक है ताइवान

ताइवान दुनिया के लगभग 70 प्रतिशत से अधिक सेमीकंडक्टर और 90 प्रतिशत से अधिक सबसे उन्नत चिप्स का उत्पादन करता है जो स्मार्टफोन, कारों, डेटा सेंटरों, लड़ाकू जेट और एआई प्रौद्योगिकियों जैसे लगभग सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के लिए आवश्यक हैं। वहीं भारत ने दुनिया की सबसे बड़ी चिप निर्माता ताइवान सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कॉर्पोरेशन से कई समझौते किए हैं, इसके तहत कंपनी भारत में एक विनिर्माण सुविधा स्थापित कर रही है। इस कंपनी के सबसे बड़े ग्राहकों में एपल भी शामिल है।

हमारे व्यापार संबंध पकड़ रहे गति

ताइवान के विदेश मंत्री ने कहा कि ताइपे और नई दिल्ली का एफटीए वार्ता शुरू करने का समय आ गया है। दोनों पक्ष पहले ही एफटीए के लिए अध्ययन कर चुके हैं और समझौते के लिए प्रारंभिक चर्चा कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि हमारे व्यापार संबंध गति पकड़ रहे हैं। ताइवान के निवेशक भारत में निवेश करने के लिए बेताब हैं और ताइवान और भारत के बीच सेमीकंडक्टर सहयोग को दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व का भरपूर समर्थन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि भारत एक उभरती हुई शक्ति है, यह तेजी से बढ़ रहा है। वहां के लोगों की मेहनत को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। भारत के पास भविष्य के लिए अपनी आर्थिक ताकत है। यह बहुत शक्तिशाली होने जा रहा है और निश्चित रूप से, हमें उम्मीद है ।

एनर्जी ट्रांजिशन इंडेक्स में भारत 67वें नंबर पर; स्वीडन सबसे ऊपर

नई दिल्ली ।

विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) ने बुधवार को भारत को अपने एनर्जी ट्रांजिशन सूचकांक (ऊर्जा संचरण सूचकांक) में वैश्विक स्तर पर 67 वें स्थान पर रखा है और कहा कि यह एकमात्र बड़ी अर्थव्यवस्था है जहां सभी आयामों में एनर्जी ट्रांजिशन की गति तेज हो रही है।

स्वीडन सूची में सबसे ऊपर है और इसके बाद डेनमार्क, नॉर्वे, फिनलैंड और स्विट्जरलैंड 120 देशों की सूची में शीर्ष पांच में हैं। एक्सेंचर के सहयोग से प्रकाशित रिपोर्ट जारी करते हुए डब्ल्यूईएफ ने कहा कि वैश्विक ऊर्जा संकट और भू-राजनीतिक अस्थिरता के बीच ग्लोबल एनर्जी ट्रांजिशन स्थिर हुआ है, लेकिन भारत उन देशों में शामिल हैं जिन्होंने महत्वपूर्ण सुधार किए हैं।

डब्ल्यूईएफ ने कहा, भारत एकमात्र बड़ी अर्थव्यवस्था है जिसमें पावर ट्रांजिशन सूचकांक के न्यायसंगत, सुरक्षित और सतत आयामों में ऊर्जा संक्रमण की गति तेज हो रही है। डब्ल्यूईएफ ने कहा, उदाहरण के लिए, निरंतर आर्थिक विकास के बावजूद, भारत ने अपनी अर्थव्यवस्था की ऊर्जा तीव्रता और अपने ऊर्जा मिश्रण की कार्बन तीव्रता को सफलतापूर्वक कम कर दिया है, जबकि सार्वभौमिक ऊर्जा पहुंच प्राप्त की है और बिजली की सामर्थ्य का प्रभावी ढंग से प्रबंधन किया है। बिजली तक सार्वभौमिक पहुंच प्राप्त करना, स्वच्छ खाना पकाने के विकल्पों के साथ ठोस ईंधन को बदलना और नवीकरणीय ऊर्जा की तैनाती में वृद्धि भारत के प्रदर्शन में सुधार के लिए प्राथमिक योगदानकर्ता रहे हैं।

भारत हाल के ऊर्जा संकट से अपेक्षाकृत कम प्रभावित हुआ है, जिसका मुख्य कारण बिजली उत्पादन में प्राकृतिक गैस की कम हिस्सेदारी और मौजूदा उत्पादन क्षमताओं का बढ़ता उपयोग है। डब्ल्यूईएफ ने कहा, हालांकि देश ऊर्जा व्यापार भागीदारों का एक अच्छी तरह से विविध मिश्रण रखता है, लेकिन बढ़ती आयात निर्भरता वैश्विक ऊर्जा बाजार में अस्थिरता के बीच जोखिम का प्रतिनिधित्व भी करती है।

वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था सही राह पर, क्या कहती है आरबीआई की एफएसआर

नई दिल्ली । भारतीय रिज़र्व बैंक ने बुधवार को वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट (एफएसआर) का 27वां अंक जारी किया। यह वित्तीय स्थिरता और विकास परिषद (एफएसडीसी) की उप-समिति के सामूहिक मूल्यांकन को वित्तीय स्थिरता और भारतीय वित्तीय प्रणाली के लचीलेपन से जुड़ी जोखिमों को दर्शाता है। रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था कुछ देशों में बैंकिंग प्रणाली की नाजुकता, निरंतर भू-राजनीतिक तनाव और मुद्रास्फीति में कमी के बीच बढ़ी हुई अनिश्चितता का सामना कर रही है। एफएसआर रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था और घरेलू वित्तीय प्रणाली को मजबूत मैक्रोइकॉनॉमिक फंडामेंटल (मजबूत व्यापक आधार) का समर्थन मिल रहा है। रिपोर्ट के अनुसार निरंतर विकास की गति, मुद्रास्फीति में कमी, चालू खाता घाटे में कमी, विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि, वर्तमान में जारी राजकोषीय समेकन और एक मजबूत वित्तीय प्रणाली अर्थव्यवस्था को निरंतर विकास के रास्ते पर बनाए रखने में मदद कर रही है।

मेसर्स दैनिक नईदुनिया के लिए प्रकाशक अपूर्व तिवारी के द्वारा 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, भोपाल- 462011 से प्रकाशित एवं मुद्रक डॉ. विश्वास तिवारी के द्वारा नईदुनिया प. प्रा.लि., 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, भोपाल-462011 से मुद्रित। प्रबंध संपादक: डॉ. सुरेन्द्र तिवारी एवं संपादक: अपूर्व तिवारी। *
फोन-0755-2550900-01,-03, फैक्स नं.- 0755-2553914 e-mail : naidunia@gmail.com (* समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र सिर्फ भोपाल होगा।) रजिस्टर्ड नं.म.प्र./296/भोपाल/2012-2014 आर.एन.आई. रजि. क्र. 47694/88, डाक पंजीयन क्र. म.प्र./भोपाल/296/2015-2017